an>

Title: Need to include Mount Abu in Rajasthan under 50 Mega Tourist Circuits in the Country.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): महोदय, मैं राजस्थान के माउंट आबू क्षेत्र से आता हूं। माउंट आबू गुजरात और राजस्थान का "दिल" कहें तो भी ठीक है। जैसे भारत के लिए कश्मीर है उसी तरह से माउंट आबू राजस्थान के लिए है। आज माउंट आबू में सबसे बड़ी समस्या 1982 से वहां नवज़े के लिए कोई परमिशन नहीं मिली है। जो वहां के रहने वाले हैं, उनका परिवार बढ़ता है लेकिन मकान नहीं बना सकते हैं। ईको सैंसिटिव जोन बना कर हमारे साथ अन्याय किया गया है। जब ईको सैंसिटिव जोन से छुट्टी मिली और मास्टर प्लान बनाने की बात हुई तो पहले की सरकार ने कोई इंटेरेस्ट नहीं लिया और आगे कोई कार्रवाई नहीं कई गई। आज भी वहां हजारों पर्यटक आते हैं। वहां रहने के लिए कोई व्यवस्था नहीं होती है। हम सरकार से मांग करते हैं कि जल्दी से जल्दी मास्टर प्लान लागू करके माउंट आबू की जो रौनक है, उसे वापिस लौटाई जाए। वहां के लोगों को रहने के लिए जो घर बनाने की परमिशन चाहिए।

महोदय, यह घर की बात है और घर नहीं होगा तो सभी बेघर हो जाएंगे। वर्ष 1982 के बाद से जिन बच्चों ने जन्म लिया है, उसे रहने के लिए तो घर चाहिए। 1982 से अब तक कोई परमिशन नहीं मिल रही है, बच्चे कहां रहेंगे? क्या कोई सास-ससुर और बाप-बेटा साथ में रह पाएंगे। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि माउंटआबू के साथ न्याय हो। ...(व्यवधान) जब कोई भी बात कहते हैं तो घंटी बज जाती है। ...(व्यवधान) मेरा निवेदन है कि जो भी कार्यवाही हो, वह जल्द से जल्द लागू हो।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं।

HON. CHAIRPERSON : Nothing will go on record, now.

*(Interruptions) â€¦**